ICSSR SPONSORED 10 DAYS WORKSHOP

ON

TRAINING PROGRAMME ON RESEARCH METHODOLOGY/SPSS/ CAPACITY BUILDING WORKSHOP IN SOCIAL SCIENCE FOR PH.D. STUDENTS (ST CATEGORY) ON THE OCCASION OFGOLDEN JUBILEE YEAR

Organized by

SCHOOL OF STUDIES IN SOCIOLOGY

Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G)-492010

22-31 July, 2013

Dr.Nister Kujur
Course Co-ordinator
Dr. P.K. Sharma
Course Co- Coordinator

उद्घाटन कार्यक्रम

मुख्य अतिथि — ***प्रो एस. के. पाण्डेय,*** *माननीय कुलपति पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग) कार्यक्रम के मुख्य अतिथिय में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।*

कार्याkाला पर व्याख्यान — ***प्रो. डी. के. वार्मा,*** *अध्यक्ष अजजा. अनु.जा. अन्य पिछडा वर्ग डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर राष्ट्रीय सामाजिक अनुसंधान संस्थान, महूं (म.प्र.)*

विषिष्ट अतिथि — ***श्री के. के. चन्द्राकर****, कुलसचिव, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग)*

कार्यक्रम का उदघाटन — *रसायनशास्त्र अध्ययनशाला के डॉ. रमन हाल में सम्पन्न हुआ।*

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए ***प्रो. डी. के. वार्मा****, ने कहा कि ICSSR का यह ट्रेनिंग कार्यशाला देश के उच्च शिक्षा में पिछडे राज्यों में आयोजित करने पर विशेष रूप से बल दी जा रही है। छत्तीसगढ राज्य इन्हीं पिछडे राज्यों के मध्य जोन में सामिल है ।ICSSR द्वारा इन राज्यों में अकादमिक विकास एवं खासकर रिसर्च को पडावा देने के लिए 10 दिवसीय कार्यशाला/राष्ट्रीय संगोष्ठी जैसे कार्यक्रम कराये जाने का प्रावधान किया गया है इसमें भी अन्य वर्ग के छात्र/छात्राएं बाहर जाकर ऐसे कार्यशाला में भाग ले लेते है किन्तु अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति वर्ग के शोधार्थी बाहर नहीं जा पाते है जिसे ध्यान में रखकर ICSSR स्थानीय स्तर पर आयोजित कराने का प्रयास कर रही है जिससे कि इन वर्ग के छात्र/छात्राओं को रिसर्च में जोडा का प्रकास की जा रहीं है ।*

पी.एच–डी. शोधार्थियों के लिए कार्यशाला आयोजित करने की विशेष रूप से अनुदान की व्यवस्था किया गया है किन्तु इस वर्ग के प्राध्यापकों द्वारा प्रस्ताव ही नही के बराबर प्राप्त होते है जिससे अनुदान का व्यवस्था होने के उपरांत भी कार्यशाला बहुत आयोजित हो रहे है । उन्होंने यह भी बतलाया कि इन वर्ग के शोधार्थियों में रिसर्च मेथडॉलाजी के ज्ञान के स्तर में वृद्वि करना तथा इन्हें शोध कार्य से जोडना है।

कार्यशाला का आपचारिक उद्घाटन करते हुए ***माननीय कुलपति प्रो. एस. के पाण्डेय*** *ने संबोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय में शोध कार्य कर रहे सभी छात्र/छात्राओं को इस कोर्स की आवश्यकता है तथा सभी को कोर्स में भाग लेना चाहिए और ट्रेनिंग कार्यशाला को बडे पैमाने पर आयोजित करने की आवश्यकता बलताया है । साथ ही उन्होंने विभिन्न राज्यो से आये समस्त प्रतिभागियों को विश्वविद्यालय की ओर से स्वागत एवं शुभकामनाएं दी।*

उदघाटन समारोह में इनके अतिरिक्त मंच में ***प्रो. आर. सी. अग्रवाल*** *अध्यक्ष, भौतिक विज्ञान विभाग , प्रो. पी. के. शर्मा, अध्यक्ष, समाजशास्त्र अध्ययनशाला उपस्थित थे साथ*

समारोह में प्रो. ऐ.के. पाण्डेय, डॉ. जे. एल. तिवारी, डॉ. एल.एस. गजपाल, डॉ. (श्रीमति) हेमलता बोरकर, डॉ. बी.एल. सोनेकर और विश्वविद्यालय के अन्य प्राध्यापक गण उपस्थित रहे। साथ ही साथ विभिन्न राज्यों से भाग लेने आये 30 प्रतिभागी समाजशास्त्र अध्ययनशला के एम.ए. समाजशास्त्र एवं एम.एस.डब्ल्यू के छात्र–छात्राये उपस्थिति थे और गरिमामय रूप से उद्घाटन समारोह सम्पन्न हुआ।

अन्त में ट्रेनिंग कार्यशला के ***कोर्स समन्वयक डॉ निस्तार कुजूर*** *ने मुख्य अतिथि माननीय कुलपति जी एवं प्रो. डी.के.वर्मा और प्रो. आर. सी. अग्रवाल का कार्यशाला में गरिमामय उपस्थिति के लिए धन्यवाद ज्ञापन की साथ ही हाल में उपस्थित प्राध्यापक–गण एवं प्रतिभागियों को धन्यवादी ओर अभार प्रकट की।*

PROGRAMME SCHEDULE

22.07.2013 (Monday) -

S.No.	Time	Programme	Resource person
1.	10.00 am to 11.30 am	Inaugural Function	C.V. Raman Hall
2.	11.00 am to 11.30 am	Hai Tea	C.V. Raman Hall
3.	11.35 am to 1.35 pm	First Session	Prof. D.K. Verma
4.	1.40 pm to 2.40 pm	Lunch	Community Hall
5.	2.45 pm to 4.45 pm	Second Session	Prof. D.K. Verma
6.	4.50 pm to 5.20 pm	Tea	Class Room
6.	7.00 pm to 8.30 pm	Dinner	Community Hall

23.07.2013 (Tuesday)

1.	9.00 am to 10.00 am	Break fast	Community Hall
2.	11.00 am to 1.00 pm	First Session	Prof. C.D. Agashe
3.	1.10 am to 2.10 pm	Lunch	Community Hall
4.	2.20 pm to 4.20 pm	Second Session (field work)	Prof. C.D. Agashe
5.	4.25 pm to 5.15 pm	Tea	Class Room
6.	7.00 pm to 8.30 pm	Dinner	Community Hall

24.07.2013 (Wednesday)

1.	9.00 am to 10.00 am	Break fast	Community Hall
2.	11.00 am to 1.00 pm	First Session	Prof. Bashir Hasson
3.	1.10 am to 2.10 pm	Lunch	Community Hall
4.	2.20 pm to 4.20 pm	Second Session	Prof. Bashir Hasson
5.	4.25 pm to 5.15 pm	Tea	Class Room
6.	7.00 pm to 8.30 pm	Dinner	Community Hall

25.07.2013 (Thursday)

1.	9.00 am to 10.00 am	Break fast	Community Hall
2.	10.30 am to 11.00 am	Attendance & Dictation	
3.	11.00 am to 1.00 pm	First Session	Prof. S.K .Naik
4.	1.10 am to 2.10 pm	Lunch	Community Hall

5.	2.20 pm to 4.20 pm	Second Session	Prof. S.K. Naik
6.	4.25 pm to 4.35 pm	Tea	Class Room
7.	4.35 pm to 5.00 pm	Feedback from fill-up	
8.	7.00 pm to 8.30 pm	Dinner	Community Hall

26.07.2013 (Friday)

1.	9.00 am to 10.00 am	Break fast	Community Hall
2.	10.30 am to 11.00 am	Attendance &Discussion	
3.	11.00 am to 1.00 pm	First Session	Prof. S.K. Singh
4.	1.10 am to 2.10 pm	Lunch	Community Hall
5.	2.20 pm to 4.20 pm	Second Session	Prof. S.K. Singh
6.	4.25 pm to 4.35 pm	Tea	Class Room
7.	4.35 pm to 5.00 pm	Feedback from fill-up	
8.	7.00 pm to 8.30 pm	Dinner	Community Hall

27.07.2013 (Saturday)

1.	9.00 am to 10.00 am	Break fast	Community Hall
2.	10.30 am to 11.00 am	Attendance &Discussion	
3.	11.00 am to 1.00 pm	First Session	Prof. J.L. Bharadawaj
4.	1.10 am to 2.10 pm	Lunch	Community Hall
5.	2.20 pm to 4.20 pm	Second Session	Prof. J.L. Bharadawaj
6.	4.25 pm to 4.35 pm	Tea	Class Room
7.	4.35 pm to 5.00 pm	Feedback from fill-up	
8.	7.00 pm to 8.30 pm	Dinner	Community Hall

28.07.2013 (Sunday)

1.	9.00 am to 10.00 am	Break fast	Community Hall
2.	10.30 am to 11.00 am	Attendance & Discussion	
3.	11.00 am to 1.00 pm	First Session	Dr. Smita Verma
4.	1.10 am to 2.10 pm	Lunch	Community Hall
5.	2.20 pm to 4.20 pm	Second Session	Dr. Smita Verma
6.	4.25 pm to 4.35 pm	Tea	Class Room
7.	4.35 pm to 5.00 pm	Feedback form fill-up	
8.	7.00 pm to 8.30 pm	Dinner	Community Hall

29.07.2013 (Monday)

1.	9.00 am to 10.00 am	Break fast	Community Hall
2.	10.30 am to 11.00 am	Attendance & Discussion	
3.	11.00 am to 1.00 pm	First Session	Prof. B.C. Barik
4.	1.10 am to 2.10 pm	Lunch	Community Hall
5.	2.20 pm to 4.20 pm	Second Session	Prof. M.P. Gupta
6.	4.25 pm to 5.25 pm	Third Session	Dr. Emtiyas Ahmad
7.	4.35pm to 5.00 pm	Tea & Feedback form fill-up	
8.	7.00 pm to 8.30 pm	Dinner	Community Hall

30.07.2013 (Tuesday)

1.	9.00 am to 10.00 am	Break fast	Community Hall
2.	10.30 am to 11.00 am	Attendance & Discussion	
3.	11.00 am to 1.00 pm	First Session	Prof. S.N.Chaudhary
4.	1.10 am to 2.10 pm	Lunch	Community Hall
5.	2.20 pm to 4.20 pm	Second Session	Prof. S.N. Chaudhary
6.	4.25 pm to 4.35 pm	Tea	Class Room
7.	4.35 pm to 5.00 pm	Feedback from fill-up	
8.	7.00 pm to 8.30 pm	Dinner	Community Hall

31.07.2013 (Wednesday) -

1.	9.00 am to 10.00 am	Break fast	Community Hall
2.	10.30 am to 11.00 am	Attendance & Discussion	
3.	11.00 am to 1.00 pm	First Session	Prof. A.K. Pandey
4.	1.10 am to 2.10 pm	Lunch	Community Hall
5.	2.20 pm to 3.20 pm.	Second Session	Prof. A.K. Pandey
6.	3.25 pm to 3.35 pm	Tea Feedback form fill-up	
6.	4.00 pm to 5.30 pm	**Valedictory**	**NET Coaching Hall**
8.	7.00 pm to 8.30 pm	Dinner	Community Hall

Participants Research Students:-

S.No.	State	Total
1. 2.	Out of states Chhattisgarh States	06 24
	Total -	30

LIST OF RESOURCE PERSON :

S.No.	Name & Designation	Date	Institution
1.	Prof. D.K. Verma, Professor	22.07.2013	Dr. Baba Saheb Ambedkar National Institute of Social Science, Ambedkar Nagar, Mhow (M.P.)
2.	Prof. C.D. Agase, Professor & Head	23.07.2013	School of Studies in Physical Education, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G) -942010
3.	Prof. Bashir Hasan, Professor & Head	24.07.2013	School of Studies in Phychology, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G) -942010
4.	Prof. Shukdeb Naik, Professor and Head	25.07.2013	Department of Sociology, Sambalpur University, Jyotivihar, Sambalpur (Orissa)-768019
5.	Prof. S.K. Singh, Vice- Chancellor,	26 07.2013	MATS University, Raipur (C.G.)

6.	Prof. J.L. Bharadwaj, Professor (Retard)	27 07.2013	School of Studies in Economics, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G) -942010
7.	Dr. Smita Verma, Associate professor & Head	28.07.2013	P.G. Department of Sociology, Incharge – P.G.Dept. of Women's Studeies, Isabella Thoburn College, Lucknow,(U.P.)
8.	Prof. B.C. Barik, Vice-Chancellor,	29.07.2013	Sambalpur University, Jyotivihar, Sambalpur (Orissa)-768019
9.	Prof. M.P. Gupta, Professor (Retard)	29.07.2013	School of Studies in Geography, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G) -942010
10.	Dr. Mohed. Imtiyaz Ahemad, Asstt. Librarian	29.07.2013	Pt. Sunder Lal Sharma Librarian, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G) -942010
11.	Prof. S.N. Chaudhary, Professor Rajiv Gandhi Chair,	30.07.2913	Rajiv Gandhi Chair, Dapart. of Sociology, Barkatullah University, Bhopal (M.P)
12.	Prof. A.K. Panday Professor	31.07.2013	School of Studies in Economics, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G) -942010
13.	Prof. P.K. Sharma	31.07.2013	School of Studies in Sociology, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G) -942010

दस दिन के महत्वपूर्ण व्याख्यान–

1. *कार्यशाला के प्रथम दिन 22.07.2013 के विषय विशेषज्ञ* ***प्रो. डी.के. वर्मा*** *थे उन्होंने अपने व्याख्यान में* ***Statical Analysis Software , Variables*** *पर अपनी व्याख्यान प्रस्तुत की जिसमें उन्होंने सांख्यिकी आंकडो का शोध में उपयोग कैसे करना चाहिए और चरो का निर्धारण किस प्रकार करना चाहिए तथा चरों को प्रमाणिका किस प्रकार करना चाहिए इस पर व्यापक रूप से प्रतिभागियों चर्चा की। दूसरे–सत्र में आपने द्वारा* ***Review of Literature and Types of Research*** *पर आधारित रहा जिसमें आपने शोध अध्ययन विषय में शोध साहित्य का संकलन किस प्रकार करना चाहिए तथा वर्तमान समय की मांग के अनुसार शोध साहित्य का संकलन किन–किन साधनो कैसे करे। शोध के प्रकार में उन्होंने गुणात्मक एवं परिमाणात्मक स्वरूप को उदाहरण सहित विस्तारपूर्वक रखा साथ ही इस विषय पर विस्तार से प्रतिभागियों चर्चा की ।*
2. *कार्यशाला के दूसरे दिन 23.07.2013 को प्रो. सी.डी. अगासे हमारे बीच रहे आपने प्रथम–सत्र में* ***Research Design , Normal Probality and Field work*** *अपना व्याख्यान प्रस्तुत किये । आज के दूसरे–सत्र में आपने अध्ययन क्षेत्र में तथ्य संकलन दौरान के सावधानियों और गहन अध्ययन के लिए तथ्य संकलन दौरान आने वाले कठिनायों एवं अवलोकन में सही तथ्यों का संकलन कैसे करना इत्यादि पर विस्तार चर्चा की।*

3. *ट्रेनिंग कार्याशाला के तीसरे दिन प्रो. बसीर हसन विषय विशेषज्ञ थे आपने अपने व्याख्यान में Research Process , Steps of Research, Tools making process , Sampling पर अपनी व्याख्यान दी ।*

4. *कार्यशला के चौथे दिन 25.07.2013 को विषय विशेषज्ञ प्रो. एस.के. नायक रहे आपने आपने व्याख्यान में How to select research problem, steps of synopsis making, Reference Card पर विस्तार से व्याख्यान दी शोध समस्या के चुनाव में आपने सामाजिक समस्या को विभिन्न स्वरूप में विभक्त करके रखने का प्रयास किया तथा इन समस्याओं में से शोधार्थी को कौन से समस्याओं को अध्ययन के लिए चयन करना चाहिए? समस्या ऐसी हो जो समाज और शोध ज्ञान की दिशा में लाभकारी होगा विस्तार से चर्चा की। दूसरे–सत्र में आपने प्रथम –सत्र में दी गई व्याख्यान पर उदाहरण देकर प्रतिभागियो से विस्तार से चर्चा की।*

5. *ट्रेनिंग कार्याशाला के पांचवे दिन 26.07.2013 को मेट्स विश्वविद्यालय के कुलपति **प्रो. एस.के. सिंह** विषस विशेषज्ञ के रूप में हमारे बीच रहे आपने अपने व्याख्यान में Preparation of questionnaire and its statical analysis by SPSS, Tabulation, Interpretation of data by Graphical and diagrammatical representation of data, Research writing पर विस्तार से प्रस्तुति की और दूसरे–सत्र में पूरे सत्र में चर्चा और प्रतिभागियों के संकाओं का दूर करने का प्रयास किया।*

6. *कार्यशाला के छठवें दिन Prof. J.L. Bharadwaj, विषय विशेषज्ञ थे आपने व्याख्यान में Hypothesis, Variables, Research Design पर अपना व्याख्यान दी । आपने शोध उपकलपना निर्माण कर टेस्ट कैसे करना चाहिए उदाहरण सहित बतलाया और प्रतिभागियों के प्रश्नों एवं संकाओं का समाधान सरल शब्दो किया।*

7. Dr. Smita Verma *कार्यशाला के सातवे दिन दिनांक 28.07.2013 को विषय विशेषज्ञ रहीं आपने व्याख्यान में Research के Positivist, Structured, Micro study, Statical और Interpretation, Unstructured, Microstudie को विस्तार से बतलायीं तथा दूसरे–सत्र में Research Process: Selection of Problem, review of literature, research design, tools, Collection of Data, Field report आदि पर विस्तार से अपनी व्याख्यान रखीं और व्याख्यान से संबंधित प्रतिभागियों के संकाओं का दूर किया ।*

8. Prof. B.C. Barik Vice Chancellor, *Sambalpur University Orissa कार्यशाला के आठवें दिन दिनांक 29.07.2013 अपनी व्यख्यान दी आपने अपनी व्याख्यान रिसर्च मेथडॉलाजी के ऐसे विषय का चुनाव किया जिसे सामान्यतः शोधार्थी ध्यान नहीं देने जिससे उनका शोध प्रबंध सीमित क्षेत्र तक बंध जाती है और अपना स्थान नहीं बना पाती है, वह है– writing Style Bibliography जिसके अन्तर्गत आपने Ibid, Opcit की गहराई को उदाहरण सहित रखा लगभग सभी प्रतिभागी इस ज्ञान से अनभिज्ञ थे तथा Standard Bibliography कैसे लिखना चाहिए उदाहरण सहित बतलाया। साथ ही आपने Foot notes, Reference कैसे लिखना चाहिए विस्तार से रखा । इनके व्याख्यान से प्रतिभागी बहुत लाभान्वित हुए साथ ही और व्याख्यान सूनने की कई प्रतिभागी इच्छा व्यक्त की।*

*आज के **तीसरे–सत्र** में डॉ. **इमतियाज अहमद** की व्याख्यान रही जिसमें आपने Use of library, Digital library, Scholarly Search engines, Electronic*

thesis and dissertation (ETDS), Virtual Libraries, Shod Ganga पर आपने व्याख्यान दी प्रतिभागियों के लिए यह व्याख्यान महत्वपूर्ण रहा।

9. *कार्यशाला के नवें दिन दिनांक 30.07.2013 को* ***Prof. S.N. Chaudhary,*** *Professor Rajiv Gandhi Chair, Barkatullah University, Bhopal (M.P.) के विषय विशेषज्ञ थे आपने अपने व्याख्यान में Difference between research and Survey, Identification of study area, Zonale Studies, Precautions during Sampling, Types of respondents, Variables, case study पर विस्तार से व्याख्यान दी तथा दूसरे–सत्र के व्याख्यान में प्रथम–सत्र में दी गई व्याख्यान पर विस्तार से चर्चा की और शोधार्थियों के संकाओ व प्रश्नों का निराकरण की इसके अतिरिक्त आपने पीछले 10 वर्ष यू.जी.सी. के राजीव गांधी शोध पीठ संचालक होने से इस समय अवधि में कई शोध अध्ययन किये है उनके अनुभव का प्रतिभागियों के साथ चाचा व व्याख्यान का लाभ मिला।*

समापन– समारोह

समारोह के मुख्य अतिथि

डॉ. के. आर. पीसदा जी, *सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग एवं राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, छत्तीसगढ शासन, मंत्रालय, रायपुर (छ.ग)*

समारोह की अध्यक्षता

प्रो. एस. के. पाण्डेय जी, *माननीय कुलपति पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग) के गरिमामय उपस्थिति में 10 दिवसीय ट्रेनिंग कार्यशाला का नेट कोचिंग संस्थान के हॉल पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में समपन्न ।*

दस दिवसीय कार्यशाला के समन्वयक डॉ निस्तार कुजूर ने सर्वप्रथम समापन समारोह में उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया तथा कार्यक्रम को आगे बडाते हुए मुख्य अतिथि ***डॉ. के. आर. पीसदा जी,*** *सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग एवं राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, छत्तीसगढ शासन, मंत्रालय, रायपुर का पुष्प–गुच्छ देकर स्वयं स्वागत की, इसके पश्चात् कार्यक्रम के अध्यक्ष* ***प्रो. एस. के. पाण्डेय जी,*** *माननीय कुलपति पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग) का स्वागम प्रो. पी.के.शर्मा, अध्यक्ष, समाजशास्त्र अध्ययनशाला द्वारा पुष्प गुच्छ से किया।*

इसके पश्चात कार्यक्रम के समन्वयक ट्रेनिंग कार्यशाला दस दिवस में 2.00 घंटे कुल 40 सेशन हुए जिसमें 01 क्षेत्रीय अध्ययन पर आधारित था और कार्यशला में कुल 12 विषय विशेषज्ञ व्याख्यान दिये जिसमें 05 दूसरे राज्यों से शेष छत्तीसगढ के थे व्याख्यान दी गई । दस दिन व्यस्तम् कार्यक्रम रिसर्च मेथडलॉजी पर व्याख्यान हुए तथा विषय विशेषज्ञ एवं प्रतिभागियो बीच गहन चर्चा हुई जिससे प्रतिभागियों के कई अनछूवे तथ्यों की जाानकारी व ज्ञान की वृद्वि करने में कार्यशला सहाय हुई है।

ICSSR dk ;g dk;Z'kkyk NRrhlxM jkT; esa bl rjg dk izFke dk;Z'kkyk dk vk;kstu jgk] ftlesa vuqlwfpr tutkfr oxZ ds lkekftd

foKku ladk; ds ih&,p-Mh 'kks/kkfFkZ;ksa ds fy, fo'ks"k :i ls vk;ksftr fd;k x;k Fkk 10 fnu ds fjlpZ esFkWMykth ij fn;s x;s O;k[;ku ,oa izfr fnu 1-30 ?kaVs fo"k; fo'ks"kK ,oa Nk=@BNk=kvksa ds chp vkilh ppkZ us 'kks/kfFkZ;;ksa ds ldkvksa dks nwj fd;k lkFk gh mUgsa fjlpZ ds Kku vkSj fjlpZ djus ds fy, ubZ mtkZ fodlhr djus esa lgk;d jgk rFkk 10 fnolh; dk;Z'kkyk esa izfrHkkfx;ksa dh izfrfnu dh mifLFkfr 'krizfr'kr jgk tks izfrHkkfe;ksa esa ubZ Kku ds tkuus dh ftKklk dks n'kkZrh gSAA izfrHkkfx;ksa esa dbZ ,sls jgs tks iqu% vk;ksftr djus dh ckr dgh] bl izdkj nl fnolh; dk;Z'kkyk lQyrkiwoZd lEiUu gqvk /

कार्यषाला के उद्घाटन, व्याख्यान एवं समापन समारोह के कुछ प्रमुख फोटो–चित्र :–

SPONSORED 10 DAYS WORKSHOP

ICSSR SPONSORED 10 DAYS WORKSHOP

ICSSR SPONSORED 10 DAYS WORKSHOP

ICSSR SPONSORED 10 DAYS WORKSHOP
VENUE
SCHOOL OF STUDIES IN SOCIOLOGY

Time in instruction
Group 1 average
Group 3 average
Group 2 average
Group 4 average
Research Design
Prof. C.D. Agashe
H.O.D., SOS in Physical Educa
Pt. R.S.U., Raipur (C.G.)

Some important steps of Ph.D. Degree:
Step 1 Entrance Examination
Step 2 DRC Candidate is registered for Ph.D. after DRC.
Step 3 Pre Ph.D. Course .It is of Six Months.
Step 4 RDC . Synopsis of Ph.D. thesis is approved in RDC.

ICSSR SPONSORED 10 DAYS WORKSHOP
ON
Training programme on
Research Methodology/SPSS/ Capacity Building
Workshop in Social Science for Ph.d Student (ST)
22 to 31 July 2013
Organized by :-
of Studies in Sociology, Pt. Ravishanka
Raipur (C.G.)

Equal Opportunity Cell

U.G.C.C.C./D.T.-25

Equal Opportunity Cell

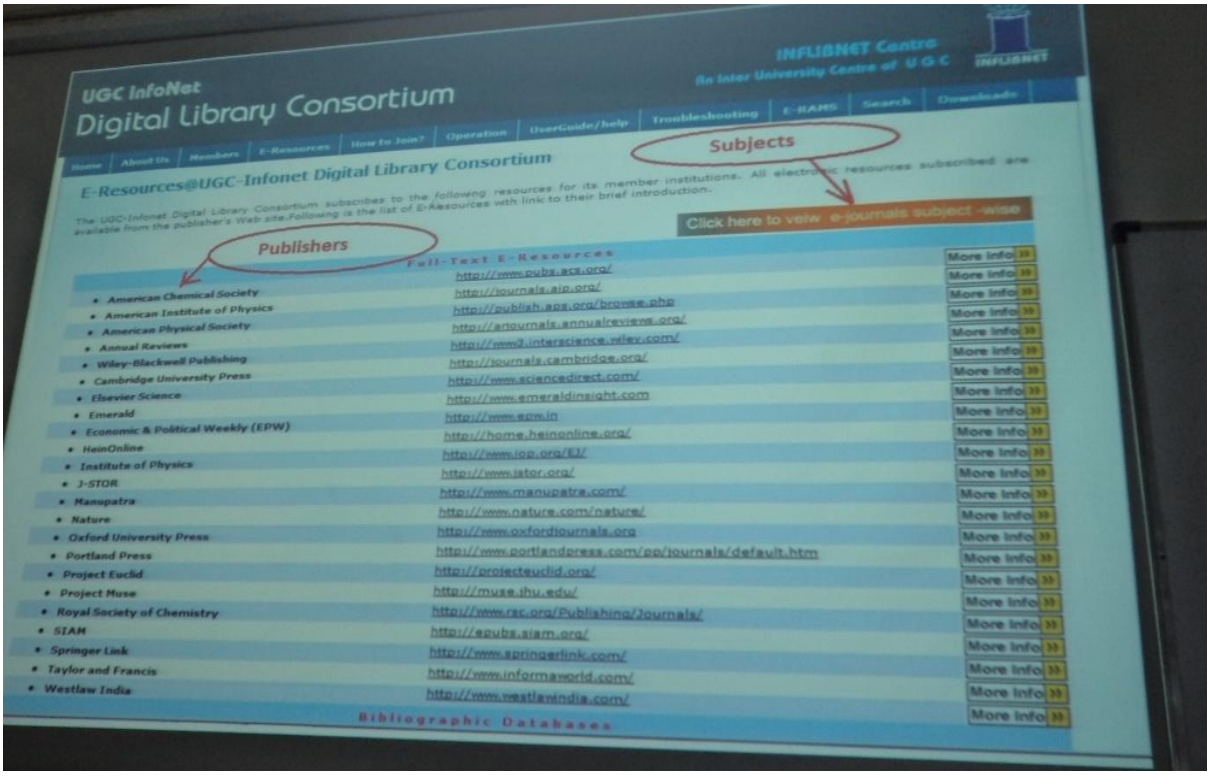
UGC InfoNet
Digital Library Consortium
INFLIBNET Centre
An Inter University Centre of UGC
Home
About Us
Members
E-Resources
How to Join?
Operation
UserGuide/help
Troubleshooting
E-RAMS
Search
Downloads
E-Resources@UGC-Infonet Digital Library Consortium
Subjects
Publishers
Click here to veiw e-journals subject -wise
Full-Text E-Resources
American Chemical Society
American Institute of Physics
American Physical Society
Annual Reviews
Wiley-Blackwell Publishing
Cambridge University Press
Elsevier Science
Emerald
Economic & Political Weekly (EPW)
HeinOnline
Institute of Physics
J-STOR
Manupatra
Nature
Oxford University Press
Portland Press
Project Euclid
Project Muse
Royal Society of Chemistry
SIAM
Springer Link
Taylor and Francis
Westlaw India
Bibliographic Databases

On Auspicious Occasion of Golden Jubilee Year of Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.)
ICSSR SPONSORED 10 DAYS WORKSHOP
on
Training Programme on Research
METHODOLOGY/SPSS/CAPACITY BUILDING WORKSHOP
IN SOCIAL SCIENCE FOR Ph.D. STUDENTS (ST CATEGORY)
50

On Auspicious Occasion of Golden Jubilee Year of Pt. Ravishankar Shukla University ,Raipur (C.G)
on

ICSSR SPONSORED 10 DAYS WORKSHOP
on
Training Programme on Research
22-31 July 2013
VENUE

Equal Opportunity

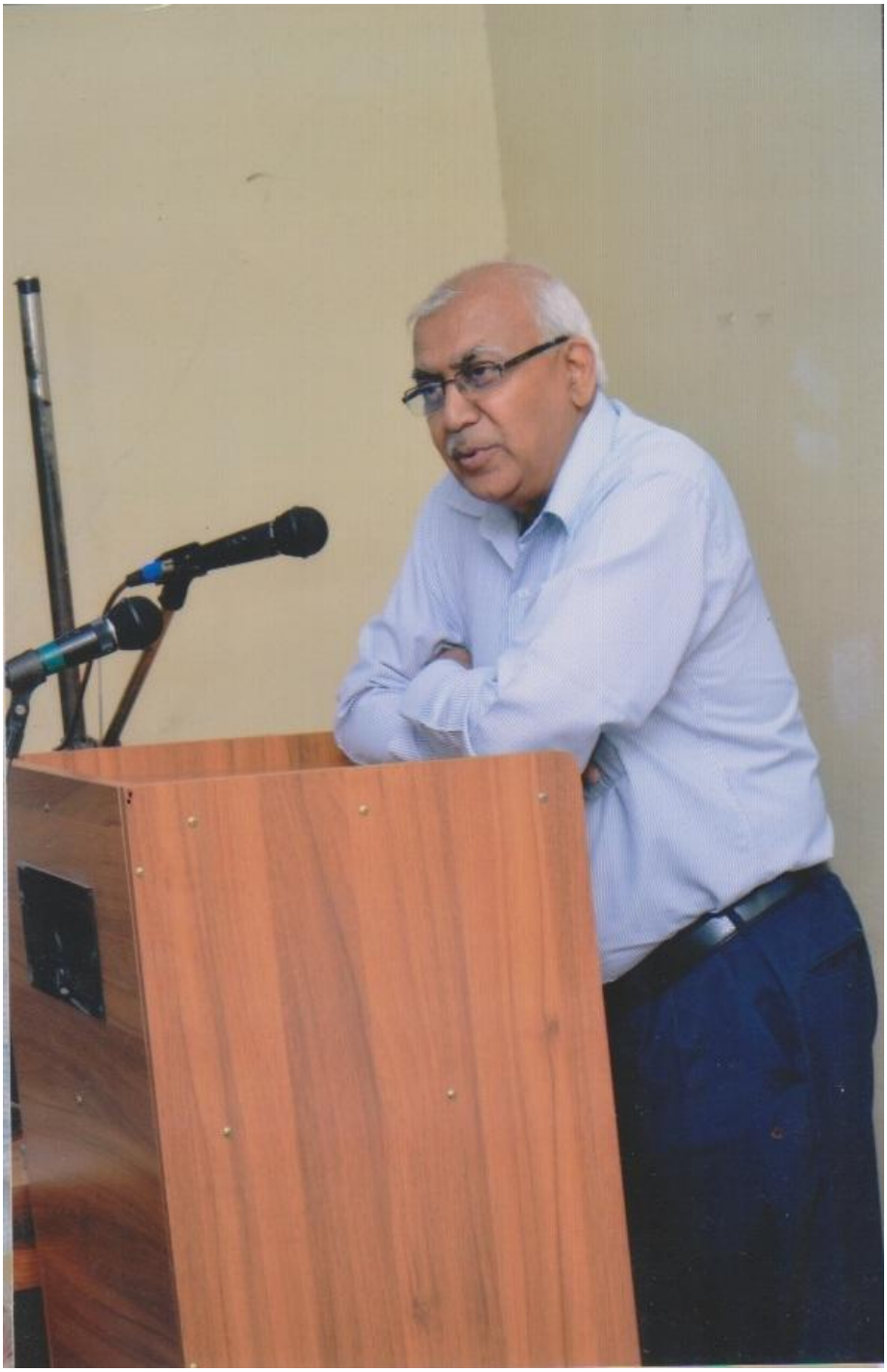

Opportunity Ce

earch
DING WORKSHOP
TS (ST CATEGORY)
CIOLOGY
aipur (C.G)-492010

ICSSR SPONSORED 10 DAYS WORKSHOP

Shukla University ,Raipur (C.G)
WORKSHOP
earch
DING WORKSHOP
TS (ST CATEGORY)
CIOLOGY
aipur (C.G)-492

Equal Opportunity Cell

रिसर्च मेथोडोलॉजी पर कार्यशाला शुरू

रायपुर 23 जुलाई। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के सफलतम एवं गौरवपूर्ण 50वें वर्ष पूर्ण होने पर इस गोल्डन जुबली वर्ष में आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित एवं समाजशास्त्र अध्ययन शाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा आयोजित दस दिवसीय रिसर्च मेथोडोलाजी पर अनुसूचित जनजाति के शोधरत छात्रों के लिए आयोजित कार्यशाला का शुभारंभ विश्वविद्यालय के प्रो. एसके पाण्डेय के मुख्य आतिथ्य, प्रो.डीके वर्मा एसी, एसटी, ओबीसी विकास विभाग के अध्यक्ष डॉ. बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान संस्थान महूँ (इंदौर) के विशिष्ट अतिथ्य, प्रो. पीके शर्मा के अध्यक्षता में कार्यक्रम का विधिवत् शुभारंभ मां सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष द्वीप प्रज्वलित करके किया गया। प्रो. पाण्डेय ने अपने संबोधन में कहा कि इस अध्ययन शाला द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सभी सामाजिक विज्ञान संकाय के प्राध्यापक एवं शोधार्थी भाग ले, वे यह न समझे की वे अर्थशास्त्र, भाषा विज्ञान या अन्य सामाजिक विज्ञान के विषय से संबद्ध है। ऐसे में हम बैश्वीकरण के दौर में काफी पीछे रह जायेंगे। वहीं प्रो. वर्मा ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि भारतीय संविधान के निर्माता पूज्य बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जी की सामाजिक विचारधारा एवं दृष्टिकोण बहुत ही व्यापक एवं वैज्ञानिक थी। उन्होंने अपने संबोधन में आगे यह भी कहा है कि छत्तीसगढ़ में उचित शोध का ना हो पाना नक्सलवाद जैसे सामाजिक समस्या के लिए प्रमुख एवं उत्तरदायी कारक है। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. एन. कुजूर ने कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन किया। उक्त कार्यक्रम में विशेष एल.एस. गजपाल, डॉ. बीएल सोनकर, डॉ. एच. बोरकर वासनिक आदि के अतिरिक्त झारखंड व मध्यप्रदेश से आये शोधार्थीगण एवं छत्तीसगढ़ के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आये शोधार्थीगण उपस्थित रहे।

रविवि में शोध छात्रों के लिए दस दिवसीय कार्यशाला शुरू

रायपुर, 22 जुलाई (देशबन्धु)। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की स्थापना की स्वर्णिम जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आईसीएसएसआर एवं रविवि के समाजशास्त्र अध्ययन शाला के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दस दिवसीय रिसर्च मेथोडोलाजी पर अनुसूचित जनजाति के शोधरत् छात्रों के लिए कार्यशाला का शुभारंभ कुलपति प्रो. एसके पांडेय ने किया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए श्री पांडेय ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों में सामाजिक विज्ञान के प्राध्यापक एवं शोधार्थी का भाग लेना चाहिए। उन्हें यह न समझना चाहिए कि वे अर्थशास्त्र, भाषा विज्ञान एवं अन्य सामाजिक विज्ञान से संबद्ध हैं। वरना वे बैश्वीकरण के युग में पिछड़ते चले जाएंगे।

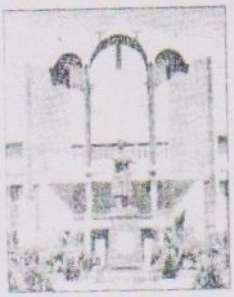

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित एससी, एसटी, ओबीसी विकास विभाग के अध्यक्ष प्रो. डीके वर्मा ने कहा कि भारतीय संविधान के निर्माता बाबा साहेब अम्बेडकर की सामाजिक विचारधारा एवं दृष्टिकोण व्यापक एवं वैज्ञानिक थी। श्री वर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में उचित शोध का न हो पाना नक्सलवाद जैसे सामाजिक समस्या के लिए प्रमुख उत्तरदायी कारक है। कार्यशाला की अध्यक्षता प्रो. पीके शर्मा ने किया। वहीं कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. एन कुजूर ने कार्यक्रम का संचालन तथा आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में डॉ. बीएल सोनेकर, डॉ. एच. बोरकर वासनिक एवं एलएस गजपाल के अलावा झारखंड एवं मध्यप्रदेश से आए शोधार्थी एवं प्रदेश के विश्वविद्यालयों से आए शोधार्थियों ने भाग लिया।

रिसर्च से मिलती है राष्ट्रीय पहचान

रविवि में रिसर्च मैथेडोलॉजी पर आयोजित कार्यशाला का समापन

plus रिपोर्टर
plus.raipur@epatrika.com

रिसर्च एक प्रक्रिया है जिसमें जितनी ज्यादा मेहनत की जाए, उतना ही अच्छा और परफेक्ट परिणाम हासिल होता है। रिसर्च के जरिए व्यक्ति क्षेत्रीय स्तर से राष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान बना सकता है। छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व व सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव डॉ. केआर. पिस्दा ने रिसर्च की अनिवार्यता के संबंध में यह बातें कहीं।

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा रिसर्च मैथेडोलॉजी (शोध पद्धति) पर आयोजित कार्यशाला के आखिरी दिन डॉ. पिस्दा मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद थे। रविवि के स्वर्ण जयंती के मौके पर स्टूडेंट व रिसर्चर के लिए दस दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था। डॉ. पिस्दा ने कहा कि जनजातीय इलाकों के बच्चे रिसर्च व पीएचडी जैसी पढ़ाई से दूर रहते हैं। इन कोर्सों के प्रति जागरुकता नहीं होने की वजह से रिसर्च के प्रति उनमें जिज्ञासा नहीं होती। यही वजह है कि रिसर्च कार्य में उनका सहयोग नहीं मिल पाता। दस दिन तक चली कार्यशाला में कई रिसर्च एक्सपर्ट ने रिसर्च मैथेडोलॉजी को समझाया। समापन के मौके पर कुलपति प्रो. एस. के. पांडे भी मौजूद थे। दस दिवसीय कार्यशाला में उड़ीसा से प्रो. पी सी बारीक, भोपाल से प्रो. एस एन चौधरी सहित कई एक्सपर्ट ने रिसर्च के बारे में विस्तार से चर्चा की।

कठिन कार्य है रिसर्च

विशेषज्ञों ने बताया कि रिसर्च एक कठिन कार्य है। रिसर्च के लिए केवल किताबी ज्ञान नहीं बल्कि रिसर्चर में अनेक बाहरी और आंतरिक गुणों का होना भी जरूरी है। कार्यशाला के दौरान समझाया गया कि सामाजिक घटनाओं के अध्ययन का मतलब वास्तव में मानव द्वारा मानव के ही विषय में अध्ययन है। इससे यह पता चलता है कि जिस समस्या या विषय के संबंध में रिसर्चर रिसर्च करता है। उस समस्या या विषय का वह स्वयं अंग बन जाता है। प्रत्येक रिसर्चर को पूरी तरह से निष्पक्ष, तटस्थ और उदासीन रहकर रिसर्च के लिए अध्ययन करना चाहिए।

इंटरनेशनल स्टैंडर्ड बेस्ड हो रिसर्च

RESEARCH WORKSHOP

रविवि में रिसर्च मैथडोलॉजी पर आयोजित वर्कशॉप मे डाटा एनालिसिस और थीसिस लिखने की सही प्रक्रिया बताई गई।

• सिटी रिपोर्टर रायपुर

रविवि के सोशियोलॉजी डिपार्टमेंट में रिसर्च मैथडोलॉजी पर आयोजित वर्कशॉप में शामिल रिसर्चर और स्टूडेंट्स।

कई बार आप रिसर्च तो बहुत अच्छा करते हैं, लेकिन थीसिस लिखते समय की गई छोटी-छोटी गलतियों की वजह से नेशनल-इंटरनेशनल लेवल पर रिसर्च मान्य नहीं हो पाता। इसलिए, थीसिस लिखते समय हमेशा इंटरनेशनल स्टैंडर्ड फॉलो करना चाहिए। रविवि के स्कूल ऑफ स्टडी इन सोशियोलॉजी में रिसर्च मेथडोलॉजी पर आयोजित 10 दिनी वर्कशॉप में विशेषज्ञों ने डाटा एनालिसिस से थीसिस लिखने तक की सही प्रक्रिया बताई।

संबलपुर से आए प्रोफेसर वीसी पारीक ने बताया कि रिसर्च में जिन किताबों का मार्गदर्शन लेते हैं, उनका बीबलोग्राफी में उल्लेख करते हैं। रिफरेंस लिस्ट में एनालिसिस के लिए उपयोग किए गए रिफरेंस का उल्लेख होता है। इन दोनों सूचियों को बनाते समय बेहद सतर्कता बरतनी चाहिए। बुलेट, कौमा, सेमी कॉलन, डॉट का गलत इस्तेमाल आपकी थीसिस पर भारी पड़ सकता है। यहां तक कि ऑथर या प्रेरक के नाम लिखते समय भी इंटरनेशनल स्टाइल व स्टैंडर्ड फॉलो करना चाहिए।

कंप्यूटर यूज करें

महू के प्रोफेसर डीके वर्मा ने कहा कि जिस भी रिसर्च में सांख्यिकी का उल्लेख हो वहां कंप्यूटर की मदद से डेटा एनालिसिस करना चाहिए। इससे गलितयों की संभावना कम होती है और डाटा सुरक्षित स्टोर भी होता है। एक ही की से अलग-अलग तरह के एनालिसिस भी बेहद आसानी से किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि कई बार स्टूडेंट हाइपोथेसिस ही नहीं समझ पाते हैं। हाइपोथेसिस में स्टेटमेंट रखने की गलती कभी नहीं करनी चाहिए। दो वेरिएबल को रिलेशन निकालने के बाद ही हायपोथिसिस तय करना चाहिए। बुधवार को कार्यशाला के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राजस्व एवं सामान्य प्रशासन सचिव डॉ केआर पिस्दा मौजूद रहे। कार्यक्रम के अध्यक्ष कुलपति डॉ एसके पाण्डे और कार्यक्रम संयोजक डॉ निस्तेर कुजूर ने पीएचडी स्टूडेंट्स को गंभीरता के साथ रिसर्च करने के लिए प्रेरित किया।

On Auspicious Occasion of Golden Jubilee Year of Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur

ICSSR SPONSORED 10 DAYS WORkSHOP

on

TRAINING PROGRAMME ON RESEARCH METHODOLOGY/SPSS/CAPACITY BUILDING WORKSHOP IN SOCIAL SCIENCE FOR Ph.D. STUDENTS (ST CATEGORY)

22-31 July 2013

Indian Council of Social Science Research

SCHOOL OF STUDIES IN SOCIOLOGY

Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G)-492010

CERTIFICATE OF PARTICIPATION

This is to Certify that Mr./Ms. .....

Attended and Satisfactory Completed the Training Course on Research Methodology /SPSS/ Capacity Building Workshop in Social Science for Ph.D. Research Scholars (ST Category) held from 22 – 31 July 2013.

www.prsu.ac.in

Dr.Nister Kujur	Prof. P.K. Sharma	Prof. S.K.Pandey
Course Coordinator	Course Co-Coordinator	Vice-Chancellor

(डॉ. निस्तार कुजूर)
कोर्स समन्वयक
समाजशास्त्र अध्ययनशाला,
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)–492010
Email Id. nister.kujur@yahoo.com